15.14 hrs.

Title: Statement by Mnister collision of Muzaffarpur -Sealdah passenger with wagons at Jamui Station of Danapur division of Eastern Railway.

रेल मंत्री (श्री नीतीश कुमार) : सभापति जी, मुझे इस सदन को एक दुर्भाग्यपूर्ण टक्कर के बारे में सूचित करते हुए अत्यंत खेद है। इस टक्कर में 132 डाउन मुजफ्फरपुर-सियालदह पैसेंजर और गिद्धौर स्टेशन से लुढ़के एक विभागीय गाड़ी के 11 मालडिब्बों के बीच टक्कर हो गई। यह दुर्घटना 16.8.2000 को पूर्व रेलवे के दानापुर मंडल के झाझा-किऊल खंड के जमुई स्टेशन पर 20.12 बजे हुई।

132 डाउन मुजफ्फरपुर-सियालदह पैसेंजर गाड़ी 19.48 बजे चौरा ब्लाक हट स्टेशन पर पहुंची और यथानिर्धारित ठहर गई। उसी समय 15 आठ-पहिया मालडिब्बों वाली विभागीय मालगाड़ी, जिसमें गिट्टी लदी थीं, को निकटवर्ती गिद्धौर स्टेशन पर खड़ा किया जा रहा था।

गिद्धौर, दोहरी लाइन खंड पर चार लाइन वाला एक स्टेशन है, जहां एक मुख्य लाइन और एक लूप लाइन अप दिशा में और एक मुख्य और एक लूप लाइन डाउन दिशा में है। अप लूप लाइन पर ऊंचा प्लेटफार्म है और डाउन लूप लाइन पर नीचा प्लेटफॉर्म है। दोनों प्लेटफॉर्म एक ऊपरी पैदल पुल द्वारा जुड़े हुए हैं।

मिट्टी को अगले ब्लॉक खंड में उतारा जाना था और विभागीय गाड़ी को स्टेबल करने का विनिश्चय किया गया था। स्टेबलिंग के दौरान पोर्टर ने यह सोच कर मालडिब्बों के कपलिंग खोल दिए कि पैदल चलने वालों के लिए रास्ता बन जाएगा। इसके तत्काल बाद, जब मालडिब्बों के कपलिंग खोल दिए गए थे, गिद्धौर से 11 मालडिब्बे चौरा ब्लॉक हट की ओर लुढ़कने शुरु हो गए। यह सूचना प्राप्त होते ही टक्कर रोकने के उद्देश्य से 132 डाउन पैंसेजर गाड़ी को जमुई स्टेशन की तरफ पीछे की ओर से बैक किया गया। जब यह गाड़ी जमुई स्टेशन पर डाउन मेन लाइन पर ली जा रही थी, लुढ़के हुए मालडिब्बे जमुई स्टेशन पर 132 डाउन पैसेंजर गाड़ी के इंजन के साथ टकरा गए। इस दुर्घटना के कारण गाड़ी के इंजन से तीसरे और चौथे दो सवारी डिब्बे एक दूसरे पर चढ़ गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना के परिणामस्वरूप 10 लोग मारे गए, 5 गम्भीर रूप से घायल हुए तथा 10 व्यक्तियों को मामूली चोटें आई हैं। घायलों को जमुई के सीविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक व्यक्तियों के निकट संबंधियों को अनुग्रह राशि के रूप में 1,00,000 रुपए, गम्भीर रूप से घायल व्यक्तियों को 25,000 रुपए और जिन्हें मामूली चोटें आई हैं उन्हें 5,000 रुपए का भुगतान किया जा रहा है। मुआवजे की यह राशि रेल दावा अधिकरण के निर्णय के बाद दी जाएगी। घायलों को दी जाने वाली मुआवजे की राशि 32,000 रुपए और मृत्यु के मामले में 4 लाख रुपए तक भिन्न-भिन्न हो सकती है। फंसे हुए यात्रियों को दुर्घटना स्थल से निकाल दिया गया है और गाड़ियों का परिचालन बहाल कर दिया गया है।

घायल यात्रियों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए झाझा तथा दानापुर से दुर्घटना राहत मेडिकल वैन दुर्घटना स्थल पर भेज दिए हैं। सूचना प्राप्त होते हुए ही दानापुर के मंडल रेल प्रबन्धक शाखा अधिकारियों के साथ राहत कार्यों का निरीक्षण करने के लिए तत्काल दुर्घटना स्थल की ओर रवाना हो गए और वे 17.8.2001 को 01.25 बजे वहां पहुंच गए। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक भी मुख्यालय के अधिकारियों के एक दल के साथ कोलकाता से दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। 140 टन की दो क्रेनें, एक आसनसोल से और दूसरी मुगलसराय से, भी दुर्घटना स्थल पर पहुंच गई है। झाझा-मोकामा खंड पर रूलिंग ग्रेडिएंट 200 में 1 का है। गिद्धौर स्टेशन के स्टेशन खंड से ही 300 में 1 का फालिंग ग्रेडिएंट भी शुरु होता है। प्रथम दृट्या इस दुर्घटना का कारण गिद्धौर स्टेशन से मालडिब्बों का लुढ़कना प्रतीत होता है। सामग्री गाड़ी के गार्ड, ड्राइवर तथा गिद्धौर स्टेशन के स्टेशन मास्टर तथा पोर्टर को निलम्बित कर दिया गया है। पूर्व सर्किल के रेलवे संरक्षा आयुक्त इस दुर्घटना की जांच करेंगे।

रेलवे तथा अपनी ओर से मैं शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदना तथा घायलों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि पूरा सदन शोकाकुल परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करने में मेरे साथ है। मैं सदन को विश्वास दिलाना चाहूंगा कि दोाी पाए गए कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।